विशेष अनुरोध

प्रिय पाठकों, आज हमारे देश में समय और स्थान के साथ-साथ जल से जुड़ी भिन्न-भिन्न समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा हमारे जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। एक क्षेत्र में जहां पानी के लिए घोर संघर्ष करना पड़ रहा है वहीं दूसरे क्षेत्र में अत्यधिक बारिश, बादल फटने और कतिपय अन्य कारणों से बाढ़ का संकट पैदा हो गया है। आज हमें पीने के लिए जो जल मिलता है उसकी गुणवत्ता का भी कोई भरोसा नहीं है। जल से जुड़े इन्हीं सब तथ्यों को ध्यान में रखकर हमारे संस्थान ने वर्ष 2011 से अपनी इस तकनीकी पत्रिका का प्रकाशन प्रारंभ किया है और तब से यह पत्रिका निरंतर छमाही आधार पर प्रकाशित की जा रही है।

आपको यह जानकर सुखद आश्चर्य होगा कि जब से हमारे संस्थान ने हिंदी में अपनी इस तकनीकी पत्रिका ''जल चेतना'' को प्रकाशित करने का कार्य प्रारम्भ किया है, तभी से हमारे पास बहुसंख्य प्रबुद्ध पाठकों के प्रशंसा पत्र, फोन तथा ईमेल आ चुके हैं और कई पाठकों ने तो अपनी स्थानीय समस्याओं के बारे में लिखकर उनका समाधान जानने के लिए अनुरोध भी किया है। इन्हीं समस्याओं के बारे में सुनकर हमें पूरे देश में दिनों-दिन बढ़ रहे जल संकट के संबंध में जानकारी मिलती है। हमारा ध्यान इन समस्याओं पर केन्द्रित है तथा हमारे वैज्ञानिक पूरी एकाग्रता और समर्पण भाव से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। पाठकों की सकारात्मक प्रतिक्रियाओं एवं उपयोगी सुझावों से ही राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान को अपनी इस तकनीकी पत्रिका ''जल चेतना'' को नियमित रूप से प्रकाशित करने की प्रेरणा मिलती है जिसके माध्यम से सभी क्षेत्रों से जल एवं जल से संबंधित सुसंगत सामग्री का चयन कर एक आम आदमी की जानकारी बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। इस पत्रिका में तकनीकी लेखों के साथ-साथ लघु लेख, कविता, प्रश्नोत्तरी, शिक्षा एवं रोजगार जैसी विधाओं को भी शामिल किया जाता है।

संस्थान का अपने सामान्य कामकाज के साथ-साथ जल जैसे महत्वपूर्ण विषय से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को हिंदी भाषा के माध्यम से इस पत्रिका के जरिए जन मानस तक पहुंचाने का यह एक विशिष्ट प्रयास है। किसी भी पत्रिका की श्रीवृद्धि एवं सफलता में सुधी पाठकों की प्रतिक्रियाओं एवं सुझावों का योगदान अपेक्षित होता है। अतः समस्त पाठकों से उनकी प्रतिक्रियाओं एवं सुझावों की प्रतीक्षा है जिससे पत्रिका को और भी रोचक एवं उपयोगी बनाने में सहायता मिल सके।

हम आपसे विशेष रूप से आग्रह करते हैं कि आप सूचना प्रौद्योगिकी, नेनो टेक्नोलॉजी, जैवप्रौद्योगिकी तथा चिकित्सा विज्ञान के साथ-साथ भौतिक एवं रसायन विज्ञान में भी जल के उपयोग सम्बन्धित उपलब्धियों को केन्द्र बिन्दु बनाते हुए अपने लेख भेजने का कष्ट करें। हम उन सभी लेखकों के आभारी होंगे जो अपने लेख यूनिकोड प्रणाली या कृतिदेव-10 फोंट में पेज मेकर (6.5 या 7.0) अथवा माइक्रोसॉफ्ट वर्ड का प्रयोग करते हुए प्रकाशन हेतु हमें भेजने का कष्ट करेंगे। लेख तथ्यों पर आधारित एवं रंगीन चित्रों से सुसज्जित होना चाहिये।

हम जानते हैं कि इस पत्रिका को और भी बेहतर तथा आकर्षक बनाना विद्वत लेखकों पर निर्भर है। हम विशेषज्ञता प्राप्त चिकित्सक, इंजीनियर, स्कूल कॉलेजों के अनुभवी अध्यापक और विश्वविद्यालयों के कर्मठ प्रोफेसर तथा अनुसंधानकर्त्ताओं से निवेदन करते हैं कि आप इस पत्रिका से किसी न किसी रूप में अवश्य जुड़ें और समय-समय पर प्रकाशन हेतु अपनी उत्कृष्ट एवं जनोपयोगी सामग्री रंगीन एवं आकर्षक चित्रों सहित हमें भेजते रहें ताकि हम उसे जनसाधारण के लाभार्थ शीघ्रातिशीघ्र प्रकाशित कर सकें।

हमारा यह भी अनुरोध है कि किसी भी रचना को लिखने का कार्य प्रारंभ करने से पहले सुनिश्चित कर लें कि यह आपकी मौलिक रचना है और आसान भाषा में तथ्यों के आधार पर लिखी गई है। किसी भी केस स्टडी पर लेख लिखते समय आवश्यक है कि उस स्थान के बारे में फोटो/संदर्भ सहित संपूर्ण जानकारी उपलब्ध करायी जाए। पत्रिका में छपे लेखों के प्रबुद्ध लेखकों को राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान द्वारा निर्धारित दरों पर भुगतान किए जाने का प्रावधान है।

लेख भेजते समय अपना संपर्क सूत्र, ईमेल एड्रस, फोन नं. एवं स्वयं का पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ अवश्य भेजें। कृपया रचना भेजते समय यह भी सुनिश्चित कर लें कि विस्तृत लेख की सामग्री कम से कम पांच पेज (टाइप की हुई) की अवश्य हो एवं चार-पांच कविताओं (कम से कम दो पेज) को मिलाकर भी एक रचना के रूप में भेजा जा सकता है। साथ ही अपने लेख से संबंधित कम से कम 10 फोटोग्राफ (हाई रिजोल्यूशन, जे.पी.ई.जी. फॉरमेट) उसके अनुशीर्षक (कैप्शन) सहित ई-मेल : jalchetna44@gmail.com पर भेजने का कष्ट करें।

सभी लेखकों से विनम्र अनुरोध है कि वह अपने बैंक एकाउंट की जानकारी निम्नानुसार देने का कष्ट करें ताकि मानदेय राशि को सीधे लेखक के एकाउंट में भेजा जा सके।

बैंक एकाउंट विवरण :
बैंक का नाम एवं शाखा -
खाता संख्या -
IFSC- कोड -
बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की फोटो कॉपी -

डॉ. रमा मेहता
सम्पादक, जल चेतना
वैज्ञानिक एवं राजभाषा प्रभारी
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
रुड़की-247667, जिला-हरिद्वार
(उत्तराखण्ड)
[Email : jalchetna44@gmail.com
दूरभाष : 01332-249228]